विशेष

डॉ. रमाशंकर सिंह के विचार

अजय दुर्जेय की कवितायें

वर्धा डायरी

(अप्रैल, २०२५ । अंक - ०७)

बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी पर केंद्रित विशेषांक

संपादन एवं आवरण चित्र
विवेक रंजन सिंह

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के छात्रों का उपक्रम

“हमारे पास यह स्वतंत्रता किस लिए है ? ताकि हम अपने सामाजिक व्यवस्था को सुधारें जो असमानता, भेदभाव और अन्याय से भरी है।”

• डॉ . बी . आर .आम्बेडकर

जो रचेगा, वही बचेगा...

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय
हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(पूर्ण रूप से छात्रों द्वारा प्रकाशित की जा रही पत्रिका)

वर्धा डायरी

दो शब्द

'वर्धा डायरी' ई-पत्रिका महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के छात्रों द्वारा प्रकाशित की जा रही है। यह पत्रिका पूर्ण रूप से एक खुला मंच है, जहां आप अपने रचनात्मक विचारों को पाठकों के साथ साझा कर सकते हैं। इस पत्रिका को शुरू करने का उद्देश्य यही है कि हिंदी विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययनरत छात्रों के भीतर छिपी रचनाधर्मिता को जागृत कर, उन्हें सबके सामने प्रस्तुत किया जाए। हिंदी विश्वविद्यालय अपने जिन उद्देश्यों को लेकर स्थापित किया गया था, उसको पूरा करने में हमारा एक छोटा सा योगदान है। हम चाहते हैं कि आप अपनी रचनाओं से एक सकारात्मक वातावरण स्थापित करने में हमारी मदद करें। हमारा आपसे आग्रह है कि आप अपनी जिन भी रचनाओं को भेजें वो आपकी मूल हों । इस पत्रिका को हम सिर्फ़ विश्वविद्यालय परिसर तक सीमित न करके, सभी लेखकों के लिए खोल रहे हैं। ऐसे में बापू और विनोबा की धरती वर्धा व उसकी विशेषताओं से भी अवगत कराना हमारा उद्देश्य है।

(महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय , वर्धा परिसर स्थापित डॉ. आम्बेडकर प्रतिमा)

संपादन मंडल

विवेक रंजन सिंह
(प्रधान संपादक)

अभय दुबे
(संपादक व छायाकार)

गोविंद राय
(संपादक)

राखी
(तकनीक सलाहकार)

संपादकीय संपर्क
संपादक - वर्धा डायरी
चंद्रशेखर आजाद छात्रावास, कक्ष संख्या - २३
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स,
वर्धा ४४२००१ (महाराष्ट्र)
ई-मेल - wardhadiary@gmail.com

आवरण चित्र - विवेक रंजन सिंह
पृष्ठ सज्जा - अभय दुबे

© प्रकाशकाधीन

• संपादन एवं प्रबंध पूर्णतया अवैतनिक व अव्यवसायिक

प्रारंभ वर्ष - सितंबर , २०२४

मुद्रक - स्व - मुद्रित ई पत्रिका

(प्रकाशन हेतु भेजी जाने वाली सामग्री अथवा रचनाओं के प्रकाशन हेतु संपादक का निर्णय ही मान्य होगा। प्रकाशित रचनाओं की रीति - नीति या विचारों से संपादकों की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में प्रकाशक की पूर्ण जिम्मेदारी होगी।)

प्रबंधकीय संपादन मंडल

प्रबंध संपादन - हर्ष आनंद , प्रियांशु कुमार , शिया गोस्वामी , रागिनी

सहयोग - दिव्यांशु झा , आलोक चतुर्वेदी , गोरक्ष पोफली

(पत्रिका पूर्ण रूप से अभी ई - पत्रिका है और इसके प्रिंट करने या उसके वितरण की इजाज़त अभी नहीं है। किसी विशेष स्थिति में प्रकाशक के अनुमति से ही इसके प्रिंट निकलवाए जा सकते हैं। यदि बिना प्रकाशक की अनुमति से कोई इसके प्रिंट को निकलवाता है और उसका वितरण करता है तो कानूनी कार्यवाई हेतु वह स्वयं ज़िम्मेदार होगा। प्रेस व रजिस्ट्रेशन अधिनियम के अनुसार जब इसका आई.एस.एस.एन. अंक प्राप्त हो जायेगा, तभी इसे प्रिंट माध्यम में वितरण किया जा सकता है।
किसी भी आपत्ति या विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र वर्धा (महाराष्ट्र) होगा।

(यह पत्रिका का स्थाई संपादन मंडल है . किसी विशेष स्थिति में ही इसमें बदलाव किया जायेगा)

इस अंक में

अपनी बात — प्रधान संपादक की कलम से / 08

संपादकीय — सरकार की नीतियों से नहीं, जातिगत जनगणना से समानता।/ अभय दुबे / 09

विषेशज्ञ को राय। — सवाल अवसर और मेरिट का / डॉ. रमाशंकर सिंह / 10

जन संपादकीय — आम्बेडकर को हम कब समझेंगे? / सुसंस्कृति परिहार /13

कविता — हास्य कविता। जाने क्यों लोग पीते हैं / 14

विमर्श — अभूतपूर्व सामाजिक विमर्श और मानवता के उद्धारक डॉ. बी.आर. आम्बेडकर / राहुल कुमार /14

विविध — समाज में आज भी व्याप्त है छुआछूत / अमन कुमार। डॉ. भीमराव आम्बेडकर : आत्म - संघर्ष से आत्म - सम्मान तक की यात्रा / कृतिका। डॉ. भीमराव आम्बेडकर : संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक न्याय के अग्रदूत / शिया गोस्वामी / 16 - 21

संस्मरण — हॉस्टल का राज़ / अमन कुमार / 21

कविता — अजय दुर्ज्ञेय की कविताएं / आदर्श ठाकुर की कविता / सोनू समर्थ की कविताएं / 24 - 27

आवरण कथा — डॉ. भीमराव आम्बेडकर : समाज के प्रतीक और समता के वाहक / अंकिता पटेल / 28

विचार — मैं ऐसे धर्म को मानता हूं जो स्वतंत्रता , समानता और भाईचारा सिखाए / रागिनी। डॉ. भीमराव आम्बेडकर : जीवन , संघर्ष और पत्रकारिता / प्रियांशु कुमार / 32- 34

व्यक्तित्व — बाबा साहब की विरासत की नींव गुरुचंद ठाकुर / अजय पोद्दार 'अनमोल ' / 34

वर्धा डायरी — विवेक रंजन सिंह / 38

समसामयिक — जाति जनगणना से नीति निर्माताओं को मिलेगा मजबूत आधार / आशीष चन्द्र / 38

कार्यक्रम — हिन्दी विश्वविद्यालय में आयोजित विविध कार्यक्रम / 39

शुभ - संदेश

पत्रिका का प्रकाशन अच्छा कार्य है . मै आप सभी (सम्पादन मंडल) को शुभकाननाएं ही दे सकता हूँ . यह अच्छा कार्य है . मैं यही चाहता हूँ कि पत्रिका के सामने राष्ट्रीय व विश्व दोनों परिप्रेक्ष्य होने चाहिए , तभी इसकी सार्थकता सिद्व होगी . वर्धा मेरे जीवन की खूबसूरत यादों की जगह रही है . मुझे गांधी की इस धरती से काफी प्रेम और सहयोग मिला . वर्धा सीखने , समझने और अनुसंधान करने की जगह है . रचनात्मक क्रियाकलापों को बढ़ावा देने के लिए जनसंचार विभाग के छात्रों को आगे आना चाहिए . इस पत्रिका के लिए आप सभी को हार्दिक शुभकानाएं .

श्री जी . गोपीनाथन **(पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा)**

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय हिंदी समाज की रचनात्मकता का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यहाँ के छात्र भाषा और साहित्य दोनों के क्षेत्र मे सक्रिय रहे हैँ यह खुशी की बात है कि विश्वविद्यालय परिसर से एक ई पत्रिका (वर्धा डायरी)की शुरुआत होने जा रही है। पत्रिका से जुड़े छात्रों को इसके लिये बधाई और मेरी शुभकामनायें।

श्री विभूति नारायण राय **(पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा)**

प्रकाश और अंधकार का युग्म एक सतत और अनिवार्य संघर्ष की याद दिलाता है । भाषा प्रकाश का ही एक रूप है जिससे दुनिया अर्थवान हो उठती है और उसे भी अंधकार का प्रतिरोध करना पड़ता है । पर भाषा की शक्ति प्रकाश से थोड़ा आगे बढ़ती है क्योंकि वह वर्तमान से आगे बढ़ कर भविष्य रचती रचाती चलती है । भाषा के गर्भ में पलती रचनाशीलता युग का निर्माण करती है । हमारी शुभकामना है कि " वर्धा डायरी " काल की संवेदना को थामे भाषा के सामर्थ्य की वाहिका बने । लोक तंत्र की प्राण नाड़ी है अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और डायरी उसे जीवित करने का उद्यम कर रही है । स्वराज की भूमि वर्धा से आरंभ हो रही विचारों के स्वराज की यह यात्रा मंगलमय हो ।

श्री गिरीश्वर मिश्र **(पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा)**